आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–30 जून 2025 सान्ध्य समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज से दो दिवसीय प्रदेश दौरे पर हैं। वह आज शाम गोरखपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान–एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल हुयीं और मेधावियों को पदक प्रदान किया। राष्ट्रपति दोपहर एक बजे गोरखपुर पहुंचीं जहां एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहीं एयरपोर्ट से सर्किट हाउस जाते समय कई जगहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं, स्कूली बच्चे और लोक कलाकारों ने भी उनका अभिवादन किया। राष्ट्रपति, गोरखपुर में ही रात्रि विश्राम के बाद कल भटहट में नव–निर्मित प्रदेश के पहले महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण करेंगी। साथ ही, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में भी शामिल होंगी, जहां वह विभिन्न परियेाजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगी। राष्ट्रपति गोरखनाथ मंदिर भी जायेंगी।

इससे पहले राष्ट्रपति ने बरेली में आज सुबह भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह प्रौद्योगिकी पशु चिकित्सा औषधि और देख–रेख में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग देशभर के पशु चिकित्सा अस्पतालों को सशक्त बना सकता है।

टेक्नोलॉजी के प्रयोग से देश भर के पशु चिकित्साओं को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम एडिटिंग, एमब्रयो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा एनालिटिक्स जैसे टेक्नोलॉजी के प्रयोग से इन क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है।

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी दीक्षांत समारोह को सम्बोधित किया।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ स्थित अपने आवास पर बैठक कर प्रदेश के आकांक्षात्मक जनपदों एवं विकास खण्डों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी, नवाचार, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन आकांक्षात्मक विकास खण्ड एवं आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रम की सफलता का मूल मंत्र है। श्री योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार आकांक्षात्मक क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी विभाग सामूहिक समन्वय और ठोस कार्ययोजना के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ें। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आकांक्षात्मक जनपदों और विकास खण्डों में किये गये स्थलीय भ्रमण की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गयी, जिसमें जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन, नवाचारों की उपलब्धि और आवश्यक सुधार बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा हुयी।

****

आपातकाल लागू किए जाने की पचासवीं वर्षगांठ पर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में काले अध्यायों में से एक के रूप में इस अवधि को याद किया जा रहा है। इस अवसर पर देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवधि के दौरान मीसा के तहत जेल भेजे गए लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। आपातकाल के दौरान की स्थितियों को लेकर राजनीतिज्ञ अरुण वशिष्ठ ने अपने अनुभव साझा किए।

अतिरिक्त बंदिशें थी इस नाते कि हमारी मुलाकात पर प्रतिबंध था। हमसे कौन मिलने आ रहा है। इसका एलआईयू देखती थी। बहुत ही निकट के लोग वो मिलने आ पाते थे। समाज तो जेल से भी ज्यादा डरा हुआ था। जो लोग बाहर से रिश्तेदार–रिश्तेदार को नहीं पहचान रहे थे। घर आना जाना नहीं था। हम लोग जो जेल आ गए थे। उन परिवारों की देखभाल करने वाले भी हमारे निजी लोग नहीं थे।

****

उत्तराखंड में तेज बारिश के कारण चारधाम यात्रा पर लगाया गया अस्थायी प्रतिबंध आज हटा लिया गया है। गढ़वाल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया है कि यात्रा मार्ग पर जिलाधिकारियों को वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं।

****

जौनपुर जिले में पीएम किसान सम्मान निधि के लिए सात लाख अड़तीस हजार दो सौ इक्कीस किसानों का बैच लॉक किया गया है। यह जानकारी उपनिदेशक कृषि हिमांशु पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही किसान सम्मान निधि की बीसवीं किस्त आ जाएगी। पीएम किसान सम्मान निधि के अपात्रों का भुगतान रोक दिया गया है।

****

प्रदेश में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगमन के साथ ही पूर्वी और पश्चिमी जिलों में मध्यम से तेज बारिश का क्रम रुक रुक कर जारी है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक कल से लेकर पांच जुलाई तक प्रदेश में अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने और वर्षा होने की संभावना है। साथ ही आगामी चौबीस घंटों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। विभाग के अनुसार इसके बाद तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

****